



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

CK  
1.8.85

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)  
PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 166]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 30, 1985/चैत्र 9, 1907

No. 166]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 30, 1985/CHAITRA 9, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

उद्योग एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1985

आदेश

का. आ. 282(अ) :—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 387 (अ) तारीख 7 जुलाई, 1979, सं. का. आ. 497 (अ) तारीख 5 जुलाई, 1980, सं. का. आ. 541 (अ) तारीख 6 जुलाई, 1981, सं. का. आ. 480 (अ) तारीख 7 जुलाई, 1982, सं. का. आ. 497 (अ) तारीख 7 जुलाई, 1983, सं. का. आ. 489 (अ) तारीख 6 जुलाई, 1984, सं. का. आ. 983 (अ) तारीख 31 दिसम्बर, 1984 तथा सं. का. आ. 67 (अ) दिनांक 31 जनवरी, 1985 के साथ पठित भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 426 (अ) तारीख 8 जुलाई, 1974 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त आदेश कहा गया है), में एसोसिएटेड इन्डस्ट्रीज (असम) लिमिटेड, चन्द्रपुर नामक औद्योगिक उपक्रम के रसायन एकक का प्रबन्ध उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम,

1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन 31 मार्च, 1985 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, के लिए ग्रहण कर लिया गया था और में असम इन्डस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लि. को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था।

और केन्द्रीय सरकार की यह राय होने पर कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध में असम इन्डस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लि. के पास 30 जून, 1985 जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बना रहे।

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निवेश देती है कि उक्त आदेश 30 जून, 1985 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, प्रभावी बना रहेगा।

[सं. 4(4)/80-सी. यू. एस.]  
ए. पी. सरवन, संयुक्त सचिव

**MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY  
AFFAIRS****(Department of Industrial Development)****New Delhi, the 30th March, 1985****ORDER**

S.O. 282(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 426(E), dated the 8th July, 1974 (hereinafter referred to as the said Order), read with the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development), Nos. S.O. 387(E), dated the 7th July, 1979, S.O. 497(E), dated the 5th July, 1980, S.O. 541(E), dated the 6th July, 1981, S.O. 480(E), dated the 7th July, 1982, S.O. 497(E), dated the 7th July, 1983, S.O. 489(E), dated 6th July, 1984, S.O. 983(E) dated the 31st December, 1984, and S.O. 67(E) dated the 31st January, 1985, the management of the chemical unit of the industrial undertaking known as Messrs Associated Industries (Assam) Limited, Chandrapur, was taken over under clause (b) of sub-section

(1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) upto and inclusive of the 31st March, 1985, and Messrs Assam Industrial Development Corporation Limited was authorised to take over the management of the said industrial undertaking;

And whereas the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said industrial undertaking should continue to be under the management of Messrs Assam Industrial Development Corporation Limited upto and inclusive of 30th June, 1985;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect upto and inclusive of the 30th June, 1985.

[No. 4(4)/80-CUS]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.